Introductory Regular Cource (IRC)

Credit- 03, Lectures- 45, पूर्णांक = 100

आन्तरिक मूल्यांकन = 25 अंक – अवधि $1\frac{1}{2}$ घंटे

बाह्य परीक्षा = 75 अंक – अवधि 3 घंटे

Introductory Sanskrit

खण्ड– क– माहेश्वर सूत्र

खण्ड– ख – सन्धि

खण्ड – ग – समास

खण्ड – घ – कारक

खण्ड – ङ – संस्कृत अनुवाद

प्रश्न संरचना विधि–

1. ऊपर्युक्त सम्पूर्ण पठ्यक्रम से पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। (5×1= 5)
2. दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल 4 प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। (2×5= 10)
3. खण्ड क से चार प्रत्याहार के उत्तर देय होंगे। कुल छः प्रत्याहार प्रष्टव्य होंगे। (4×2.5= 10)
4. खण्ड ख से किन्हीं 4 सूत्रों की व्याख्या करनी होगी। कुल 6 सूत्र प्रष्टव्य होंगे। (4×2.5= 10)
5. खण्ड ग से 4 सूत्रों की व्याख्या करनी होगी। कुल 6 सूत्र प्रष्टव्य होंगे। (4×2.5= 10)
6. खण्ड घ से किन्ही 4 सूत्रों की व्याख्या करनी होगी। कुल 6 सूत्र प्रष्टव्य होंगे। (4×5= 20)
7. खण्ड ङ से किसी एक गद्यांश का संस्कृत में अनुवाद करना होगा। दो गद्यांश प्रष्टव्य होंगे। (1×10= 10)

विनोद विहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, झारखण्ड

SAN-MJ-1

वी० ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) प्रथम समसत्र पूर्णांक – 100

संस्कृत – काव्य

इस पत्र में कुल 8 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिसमें 5 प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। प्रश्न संख्या 01, तथा 02 अनिवार्य होंगे।

पाठ्यक्रम –

1. कुमारसंभवम् – प्रथम सर्ग – 35
2. शिशुपालवधम् – प्रश्म सर्ग – 40

प्रश्न – संरचना – विधिः–

प्रथम प्रश्न में संपूर्ण पाठ्यक्रम पर कुल – 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रष्टव्य होंगे, जो अनिवार्य होंगे। (5×1= 5)

द्वितीय प्रश्न में दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल 4 प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। जो अनिवार्य होंगे। (5×2= 10)

तृतीय प्रश्न में दो श्लोकों के अर्थ लिखने होंगे। कुल 4 प्रश्ष्टव्य होंगे। (2×10= 20)

चतुर्थ प्रश्न में दो श्लोकों की संस्कृत व्याख्याएँ अपेक्षित होंगी कुल 4 श्लोक प्रष्टव्य होंगे। (2×10= 20)

पंचम प्रश्न में 4 लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित होंगे। कुल छः प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। (4×5= 20)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से कुल तीन आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाऐंगे जो ऐच्छिक होंगे।

आन्तरिक परीक्षा = 25

बाह्य परीक्षा = 75

कुल क्रेडिट – 6, लेक्चर्स = 90

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) द्वितीय समसत्र

Credit -6
SAM-MJ-2

संस्कृत – गद्य अवधि – 3

इस पत्र में कुल 8 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें 5 प्रश्नों के उत्तर देय होंगे जिसमें प्रश्न संख्या 01 तथा 02 अनिवार्य होंगे।

पाठ्यक्रमः–

1. शिवराजविजय (प्रथम तथा द्वितीय निःश्वास) –75

प्रश्न संरचना विधि :–

प्रथम प्रश्न में संपूर्ण पाठ्यक्रम पर कुल 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। जो अनिर्वाय होंगे। (5×1= 5)

द्वितिय प्रश्न में दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल 4 प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। (2×5= 10)

तृतीय प्रश्न में शिवराज विजय के पाठ्यांश से दो अंशों की व्याख्या एक संस्कृत में तथा एक हिन्दी में अपेक्षित होगी। कुल 4 अंश प्रष्टव्य होंगे। (2×10= 20)

चतुर्थ प्रश्न में 4 टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी कुल छः टिप्पणियाँ प्रष्टव्य होंगी। (4×5= 20)

पंचम प्रश्न में काव्य, कवि एवं पात्रों पथा घटनाओं पर आधारित दो लघूतरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल 4 प्रश्न पूछे जाएँगे। (2×10= 20)

संपूर्ण पाठ्यक्रम से कुल 3 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जो ऐच्छिक होंगे।

आन्तरिक परीक्षा = 25

बाह्य परीक्षा = 75

कुल क्रेडिट = 6, लेक्चर्स = 90

BBMKU UNIVERSITY DHANBAD

Syllabus of Non-MIL- Sanskrit
B.A. Semester - I

F.M = 50
External Exam = 40
Internal Exam = 10

निर्धारित पाठ्याशः-

1. श्रीमद्भागवद्गीता - द्वितीय अध्याय - 20 अंक
2. अभिज्ञानशाकुन्तम - चतुर्थ अंक - 10 अंक
3. निबन्ध लेखन - 10 अंक

इस पत्र में कुल छः प्रश्न रहेंगे जिनमें किन्ही चार प्रश्न के उत्तर देय होंगे ।
प्रश्न - निर्माण - निर्देश : -

प्रथम प्रश्न में ,
1.श्रीमद्भागवतगीता से दो श्लोकों का अनुवाद करना अपेक्षित होगा , कुल तीन श्लोक प्रष्टव्य होगें । 2×5=10

द्वितीय प्रश्न में
2 . श्रीमद्भागवतगीता से एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देय होगा, कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होगें । 1×10=10

3. प्रश्न - तीन में। विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखना अपेक्षित होगा । कुल चार विषय प्रष्टव्य होगें । 5×1=5

4. अभिज्ञानशाकुन्तम से एक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर देय होगा तथा इस खंड में कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होगें । 5×1=5

5. प्रश्न - पाँच में। अभिज्ञानशाकुन्तम से एक श्लोक का हिन्दी -अनुवाद अपेक्षित होगा, कुल दो श्लोक प्रष्टव्य होगें । 5×1=5

6.उपयुक्त सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से कुल दो समालोचनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य होगे जो ऐच्छिक होंगे ।